[इन्तविप्राण्डजा] द्विजा:।

ग्रिजा [विज्ञुल्स्कागा]

गिष्ठाष्ट्र्यनिवला] त्रजा:॥ ३२॥

पर्मग्रजी [जिनयमी]

त्रुच्जो [इन्ते ऽपि न स्त्रियां]।

बलजे [क्षेत्रपूर्द्वारे]

बलजा [वलगुदर्शना]॥ ३३॥

समे स्मांशे रणे ऽप्य्] ग्राजिः

प्रजा [स्यात् सन्तती जने]।

ग्रुच्जी [श्रद्धशशाङ्की च]

स्विके नित्ये] निजं [त्रिषु]॥ ३४॥

SECTION VIII.

HOMONYMES TERMINÉS EN .

- 12 [पुंस्य् ऋात्मिनि प्रवीणे च] क्षेत्रको [वाच्यलिङ्गकः]।
- 15 संज्ञा [स्याच् चेतना नाम हस्ताखेश्र् चार्थसूचना] ॥ ३५॥
- (1) 1° Dent; 2° homme régénéré des trois premières classes; 3° animal ovipare, oiseau, etc. (2) 1° Vichn'ou; 2° S'iva; 3° bouc; [4° Brahmâ; 5° Kâma; 6° mouton; 7° nom d'un fils de Raghou]. (3) 1° Étable à vaches; 2° chemin; 3° multitude. (4) 1° Saint déifié; 2° Yama; [3° titre de Youdhichth'ira]. (5) 1° Dent d'éléphant; [2° berceau, cabinet de verdure]. (6) 1° Champ; 2° porte d'une ville; [3° guerre]. (7) Femme jolie. (8) 1° Terrain uni; 2° guerre. (9) 1° Progéniture; 2° peuple. (10) 1° m. Conque; 2° lune; [3° Dhanwantari; 4° arbre, eugenia acutangula, barringtonia acutangula, Wils.; 5° n. lotus]. (11) 1° propre, particulier; 2° éternel. (12) 1° m. Ame; 2° m. f. n. habile. (13) 1° Pensée;